रंगपंचमी पर करीला में जंगल में मंगल का दृश्य होगा साकार

खास बातें

- रंगपंचमी पर करीला मेला पर विशेष
- देशभर से रंगपंचमी पर करीला पहुंचेंगे लाखों श्रद्धालु
- माँ जानकी दरबार करीला में मन्नतें पूरी होने पर कराते हैं राई
- बर्ष में एकबार रंगपंचमी पर खुलती हैं गुफा

नवभारत न्यूज

सिरोंज 6 मार्च, प्रसिद्ध करीला के प्राचीन मंदिर में माता जानकी जी अपने पुत्र लवकुश जी के साथ विराजमान है. साथ में महर्षि वाल्मीकि जी भी विराजमान हैं. रंगपंचमी पर रविवार को करीला धाम में आयोजित मेले में जंगल में मंगल का दृश्य साकार होगा. रंगपंचमी पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र सहित देशभर से लाखों श्रद्धालु करीला पहुंचेंगे. तथा माता जानकी जी मंदिर में दर्शन करेंगे.

इस दौरान रंगपंचमी पर वर्ष में एक बार खुलने वाली गुफा के दर्शन भी होंगे. प्रसिद्ध करीला के माता जानकी दरबार में मन्नतें पूर्ण होने पर श्रद्धालु राई कराते हैं. रंगपंचमी पर करीला में माता जानकी जी के दरबार में रातभर देश के कई हिस्सों से आई नृत्यांगनाओं द्वारा राई बधाई नृत्य की प्रस्तुति दी जावेगी.

लोगों की आस्था का केन्द्र करीला धाम सिरोंज से करीब 45 किमी की दूरी पर अशोकनगर एवं विदिशा जिले की सीमा पर स्थित है. यहां पर पहाड़ियों पर माता जानकी जी का पावन दरबार है. यह दरबार बर्षो से लोगों की आस्था एवं विश्वास का केन्द्र है. इस दरबार में देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आकर अपनी मनोकामनाऐं करते है. तथा लोक मान्यता के अनुसार मन्नतें पूरी होने पर माता जानकी जी के दरबार में राई नृत्य कराते हैं. रंगपंचमी पर हर बर्ष यहां एक विशाल मेले का आयोजन होता है. जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु पहुँचते हैं. यहां पर प्राचीन मंदिर में माता जानकी जी के साथ लवकुश जी, वाल्मीकि जी विराजमान है. साथ ही अन्य मंदिरों में वीर हनुमान जी, श्री रामजानकी दरबार, श्री राधाकृष्ण जी, भगवान लक्ष्मीनारायण जी, मंगलमूर्ति श्री गणेश जी भी विराजमान है. पहाड़ी पर स्थित करीला के माता जानकी जी मंदिर का प्राकृतिक सौंदर्य भी लोगों को काफी प्रभावित करता है. क्षेत्र में ऐसी मान्यता हैं कि प्रसिद्व करीला धाम में ही माता जानकी जी वनवास के समय रही थी. तथा करीला में ही महर्षि वाल्मिकी आश्रम में लवकुश का जन्म हुआ था. माता जानकी से जुड़े इस कथानक के ऐतिहासिक प्रमाण तो नही हैं. परंतु क्षेत्र में ऐसी मान्यता तथा जनश्रुतियां यही कहती हैं. करीला के इस प्राचीन माता जानकी जी के दरबार में वर्षभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है. क्षेत्र में प्रमुख त्यौहारों, उत्सवों एवं प्रत्येक माह की पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु करीला पहुँचते हैं.

वर्ष में एक बार रंगपंचमी पर खुलती है गुफा

यहां पर एक गुफा भी है. जो वर्ष में एक बार रंगपंचमी पर खोली जाती है. यह गुफा माता जानकी जी के मंदिर के पास में ही हैं. जो वर्ष में एक बार रंगपंचमी पर 24 घंटे के लिये खोली जाती है. रंगपंचमी पर पूजा, अर्चना के उपरांत गुफा खोली जाती है. तथा परंपरा के अनुसार रंगपंचमी पर इस गुफा में एक लकड़ी भी डाली जाती है. लोग रंगपंचमी पर इस पवित्र गुफा के दर्शन भी करते हैं.

क्या है राई लोकनृत्य

राई एक लोकप्रिय लोकनृत्य है. इस लोकनृत्य में परंपरा से यह नृत्य घूंघट की ओट में होता है. यह नृत्य चकरी प्रधान हैं. राई में नृत्यांगनाओं द्वारा आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति देकर नृत्य को सुंदर बनाने की कोशिश की जाती है. साथ में वाद्ययंत्र बजाने वालों द्वारा पारंपरिक वाद्ययंत्र के मनभावन संगीत के साथ राई गीत आदि की प्रस्तुति दी जाती है. वहीं नृत्यांगनाओं की आकर्षक वेशभूषा में नृत्य करने की शैली लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती है. इस लोकनृत्य में राई नृत्यांगनाओं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी जाती है. पारंपरिक लोकसंगीत पर नृत्यांगनाओं द्वारा राई नृत्य की प्रस्तुति लोगों को भाव विभोर कर देती है. इस लोकनृत्य में नृत्य की मनमोहक छवियां लोगों को काफी आकर्षित करती है.

जंगल में मंगल का दृश्य होगा साकार

रंगपंचमी पर करीला में आयोजित मेला जंगल में मंगल का दृश्य साकार करता है. लोगों द्वारा माता के दरबार में बधाई के रुप में राई नृत्य भी कराया जाता है. माता के दरबार में रातभर राई नृत्य की प्रस्तुति दी जाती है. वहीं लाखों की संख्या में श्रृद्धालु रातभर नृत्यांगनाओं की इस राई नृत्य की प्रस्तुति का आनंद लेते हैं. अपनी पारंपरिक वेशभूषा में हजारों नृत्यांगनाओं द्वारा माता के दरबार में खुशी के स्वरूप इस राई नृत्य की मनभावन प्रस्तुति दी जाती है. जैसे-जैसे रात गहराती जाती है. यह नृत्य भी चरमोत्कर्ष पर पहुंचता जाता है. लोग दूर-दूर से आकर माता के दरबार में मनोकामनाऐं मांगते हैं. तथा उनके पूरा होने पर बधाई के रुप में नृत्यांगनाओं को लाकर राई नृत्य कराते हैं. मेले में दूरदराज के क्षेत्रों से भी लोग वाहनों के माध्यम से पहुंचते हैं. वाहनों का काफिला इतना लंबा होता है कि कई किमी दूर पर लोगों को वाहन छोड़कर मेला स्थल पर पहुंचना पड़ता है. माता के दरबार में खुले आकाश के नीचे श्रद्धालु बैठते हैं. तथा राई नृत्यांगनाओं के राई नृत्य का आनंद लेते हैं. लोग विभिन्न नृत्यांगनाओं की भाव भंगिमाओं और शैलिओं का आनंद लेते हैं. मेले में आसपास के लोगों द्वारा दैनिक उपयोग की वस्तुओं, प्रसादी एवं खाद्य पदार्थों आदि की दुकानें भी लगाई जाती हैं.

सबसे पहले चढ़ता है विदिशा जिले के ललितपुर गांव का झंडा

जानकारी के अनुसार करीला में रंगपंचमी पर सबसे पहले विदिशा जिले के ललितपुर गांव का झंडा चढ़ता है. जिसके बाद मेले का शुभारंभ होता है. रंगपंचमी पर यहां आयोजित मेले में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ता है. जिसमें देश के विभिन्न भागों एवं आसपास के क्षेत्रों से लाखों की संख्या में श्रृद्धालु माता के दरबार में पहुंचते है. तथा भक्ति भाव के साथ माता की आराधना करते हैं. इस बार भी करीला में रंगपंचमी मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है.

वर्ल्ड रिकॉर्ड में चुनी गई पुस्तक प्रणव

नवभारत न्यूज

कुरवाई, कुरवाई क्षेत्र में पदस्थ आदर्श शिक्षक शिक्षक प्रमोद चौहान ने पुस्तक अर्ध समवृत्त छंद प्रणद 2048 में अपने नवीन छंद लिखकर मैजिक बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है.पूर्व सैनिक एवं आदर्श शिक्षक प्रमोद सिंह चौहान जो की शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए जाने जाते हैं उनके द्वारा अब लेखन कार्य में राष्टीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई जा रही है. श्री चौहान के द्वारा नव प्रस्तावित अर्ध समवृत्त छंद प्रणद 2048 नामक पुस्तक में अपने नवीन छंद लिखकर मैजिक बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया गया है.इससे पूर्व श्री चौहान की पुस्तक अरदास भी मैजिक बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में चयनित हो की गई है. मैजिक बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के सीईओ सीपी यादव डॉ राजेन्द्र सैनी और डॉ कोमल शर्मा द्वारा श्री चौहान को प्रणद पुस्तक के लिए सम्मानित किया गया.

एग्जाम डेट में अचानक बदलाव से बीएमसी स्कूल के छात्र परेशान, पालकों ने की शिकायत

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, भारत माता कॉन्वेंट स्कूल में परीक्षा तिथियों में अचानक बदलाव किए जाने से छात्रों में मानसिक तनाव की स्थिति बन गई है. इस मामले को लेकर पालकों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से शिकायत करते हुए स्कूल प्रबंधन पर बिना पूर्व सूचना के निर्णय लेने का आरोप लगाया है.जानकारी के अनुसार होली अवकाश घोषित होने के बाद स्कूल प्रबंधन ने परीक्षा कायक्रम में बदलाव कर दिया. पहले 4 मार्च को होने वाला कक्षा 9 का साइंस और कक्षा 11 का इकोनॉमिक्स का पेपर कक्षा 11 का पेपर 7 मार्च को कर दिया गया और वही कक्षा 9 का साइंस का पेपर 9 तारीख को कर दिया गया. कक्षा 9 वहीं 9 मार्च को प्रस्तावित एक अन्य परीक्षा को प्रीपोन कर 7 मार्च कर दिया गया 7 मार्च को होने वाला पेपर 9 मार्च को कर दिया गया.कक्षा 9 के छात्रों का कहना है कि 6 मार्च को सोशल साइंस था और कक्षा 11 के छात्रों का कहना है कि उनका इंग्लिश का पेपर पहले से तय था और उसी के अनुसार वे तैयारी कर रहे थे.अचानक परीक्षा तिथियों में बदलाव होने से पढ़ाई का पूरा शेड्यूल बिगड़ गया, जिससे कई छात्र तनाव में आ गए.पालकों का कहना है कि परीक्षा जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में बदलाव करने से पहले स्कूल प्रबंधन को विद्यार्थियों और अभिभावकों को समय रहते सूचित करना चाहिए था. अचानक किए गए बदलाव से बच्चों की तैयारी प्रभावित हुई है.

सीएम मोहन यादव आज करेंगे 163.62 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

नवभारत न्यूज

विदिशा, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी शनिवार को शमशाबाद में आयोजित कार्यक्रम में जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से अनेक निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे वहीं जिला स्तरीय फिंगरप्रिंट लेब योजना का शुभारंभ और विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ वितरित कर लाभान्वित करेंगे.

जारी विधानसभा वार संक्षेपिका के अनुसार जिले में कुल 97 विकास कार्यों के माध्यम से लगभग 163.62 करोड़ रुपये की लागत के कार्यों की सौगात दी गई है. जिसमें 104.30 करोड की लागत के 56 निर्माण कार्यो का शिलान्यास वहीं 59.32 करोड की लागत से पूर्ण कराए गए 41 निर्माण कार्यो का लोकार्पण शामिल है.

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शमशाबाद के पीएम श्री बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला स्तरीय फिंगर प्रिन्ट लेब योजना का शुभांरभ और विभिन्न योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे. सिरोंज विधानसभा में 20 कार्यों के लिए 47.38 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई.शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र में 18 विकास कार्यों पर 53.95 करोड़ रुपये की लागत स्वीकृत हुई है.कुरवाई विधानसभा क्षेत्र में कुल 23 विकास कार्यों के लिए 45.37 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, इसी प्रकार विदिशा विधानसभा क्षेत्र में 17 कार्यों के लिए 12.10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है.वहीं बासौदा विधानसभा क्षेत्र में 19 विकास कार्यों के लिए 4.82 करोड़ रुपये की लागत स्वीकृत हुई है.इसी प्रकार जिले में कुल 56 कार्यों का भूमिपूजन 104.30 करोड़ रुपये की लागत से तथा 41 कार्यों का लोकार्पण 59.32 करोड़ रुपये की लागत से किया गया. कुल मिलाकर 97 विकास कार्यों पर 163.62 करोड़ रुपये की राशि से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी.

विहिप, बजरंग दल ने किया होली मिलन समारोह

नवभारत न्यूज

सिरोंज, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल द्वारा शुक्रवार को तहसील रोड स्थित एक निजी गार्डन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें विहिप के पूर्व राष्ट्रीय सह मंत्री राजेश तिवारी, प्रांत सह मंत्री मलखान राजपूत, विभाग संगठन मंत्री मुकेश महेश्वरी, विभाग संगठन मंत्री दौलत, विभाग संयोजक सचिन यादव, सह मंत्री चंद्रभान सिंह बघेल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से राजेंद्र खोड़के एवं विहिप के विभाग सामाजिक समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना सहित कई अतिथि मौजूद रहे. इस मौके पर विहिप, बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया. इस दौरान वक्ताओं ने होली के महत्व के बारे में बताया. साथ ही सामाजिक बुराईयों को दूर करने की बात कही. उन्होंने समाज की एकता पर जोर दिया. तथा समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण के लिए कार्य करने की बात कही. कार्यक्रम में विहिप, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने एक दूसरे को तिलक लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी.

ब्रज रस में डूबा वेदांत मंदिर, जगतगुरू के सानिध्य में सजा होली महोत्सव

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा,ब्रजभूमि की पावन धरा पर सुनरख रोड स्थित श्रीजी पुरम का भक्ति वेदांत मंदिर उस समय सचमुच ब्रजरंग में रंग उठा, जब जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामकमलाचार्य वेदान्तीजी महाराज के सानिध्य में मंगलवार को 10 कुंटल पुष्पों की वर्षा के बीच भव्य फूलों की होली खेली गई.भजनों की गूंज, पुष्पों की सुगंध और श्रद्धालुओं के उत्साह से पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया. दिन में प्रेम और उल्लास की पुष्पवर्षा हुई वहीं सोमवार की रात्रि को मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होलिका दहन कर अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया.

मंदिर परिसर में दोपहर बाद गुलाब, गेंदा और अन्य सुगंधित फूलों की वर्षा की गई.करीब 10 कुंटल फूलों से श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे पर पुष्प अर्पित कर होली खेली.राधे-राधे के जयघोष और ढोल-मंजीरे की थाप पर भक्त झूमते नजर आए। मंदिर परिसर पूरी तरह फूलों की खुशबू से महक उठा. स्वामी रामकमलाचार्य वेदान्तीजी महाराज ने कहा कि ब्रज की होली प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है.फूलों की होली हमें जीवन में कोमलता और सौहार्द बनाए रखने की प्रेरणा देती है.उन्होंने श्रद्धालुओं से समाज में सदाचार और संस्कारों को मजबूत करने का आह्वान किया.जगदगुरुजी कहा कि ब्रज की होली आत्मा को प्रेम और भक्ति के रंग में रंगने का पर्व है.फूलों की कोमलता हमें जीवन में नम्रता, सौहार्द और करुणा का संदेश देती है. जब मन में ईश्वर के प्रति प्रेम जागृत होता है, तब जीवन का प्रत्येक क्षण उत्सव बन जाता है. फूलों की होली का अर्थ है जीवन में कोमलता, मधुरता और सुगंध का समावेश.होली उत्सव में गंजबासोदा से आए संघ के प्रचारक राकेश परमार अजय सिंह रघुवंशी, पत्रकार देवेंद्र रघुवंशी, वेदांत आश्रम ट्रस्ट के सचिव सौरव सुहाने, रामराज रघुवंशी सहित अनेक भक्त मौजूद थे.

खुलासा | **जुआ-सट्टा व अवैध शराब पर कार्रवाई के बाद चोरी की वारदात का भी किया पर्दाफाश**

हाईवे पर हुई चोरी का खुलासा, सात आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

सांची,क्षेत्र में जुआ, सट्टा और अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर रही सांची पुलिस ने अब हाईवे पर हुई चोरी की वारदात का भी सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अमित कोरी निवासी हिराखेड़ा राहतगढ़ ने 4 मार्च 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि भोपाल की रिलायंस कंपनी की फ्रोजन पिकअप वाहन को 3 मार्च की रात करीब 11.30 बजे मेहगांव के पास बायपास पर खड़ा किया गया था. इसी दौरान वाहन में रखा काला बैग, जिसमें तीन मोबाइल फोन, एक पोको कंपनी का मोबाइल, सामान की लस्सी के पैकेट तथा करीब 4000 रुपये नकद सहित कुल लगभग 19 हजार रुपये का सामान रखा था, अज्ञात बदमाशों द्वारा चोरी कर लिया गया.शिकायत के आधार पर सांची पुलिस ने अपराध 35/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की. पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एएसपी कमलेश खरपुसे तथा एसडीओपी श्रीमती नीलम चौधरी के मार्गदर्शन में टीम गठित कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की गई.जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया. पुलिस ने चोरी गए मोबाइल फोन व नकदी में से कुछ रकम बरामद कर ली है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया.

लखन जाटव (23) निवासी संगमपुर रायसेन, भावेश उर्फ भोला (20) निवासी पटेल नगर रायसेन, रोहित राजपूत (18) निवासी राहुल नगर रायसेन,रोशन बैरागी (20) निवासी सेंदोरा रायसेन,अरुण अहिरवार (21) निवासी भौरा थाना कोतवाली रायसेन, रोहित बैरागी (19) निवासी राहुल नगर रायसेन तथा एक बाल अपचारी.कार्रवाई में थाना प्रभारी जयप्रकाश त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक गणेशराम कुशवंशी, सुनील लोधी, दिलीप कुशवंशी, सुरेश गौड़ तथा आरक्षक सौरभ कुशवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

लगातार चलाया जा रहा अभियान-थाना प्रभारी

थाना प्रभारी जयप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि सांची क्षेत्र में अपराधों पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है.जुआ, सट्टा और अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ अन्य आपराधिक गतिविधियों पर भी पुलिस की कड़ी नजर है. इसी क्रम में हाईवे पर हुई चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.पुलिस की सक्रियता से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है और आमजन में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ है.